राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला से हिन्दी पखवाड़े का आरम्भ

दिनांक 14.09.2022 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2022 से 28.09.2022) का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा० दिनेशमणि, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह के साथ केन्द्र के वरिष्ठ वै ज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया।

इस अवसर पर वार्षिक राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में हिन्दी के महत्त्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए विज्ञान के लोकप्रियीकरण में विगत तीस वर्षों से संलग्न एवं विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर हिंदी में अनेक पुस्तकों के लेखक डा० दिनेशमणि ने अपने व्याख्यान में बताया कि देश कि बड़ी जनसंख्या को अंग्रेजी नहीं जानने के कारण विज्ञान के अनुसंधान से वंचित रखना अनुचित है। हिन्दी वैज्ञानिक लेखन के लिए सर्वथा वैज्ञानिक भाषा है।

डा० संजय सिंह ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद व्यक्त किया साथ ही सभा को सम्बोधित करते हुए शोधार्थियों से कहा कि शोध कार्यों को सरल बनाने के लिए हिन्दी में संवाद स्थापित

करें साथ ही उन्होने वैज्ञानिकों और शोधार्थियों से अपने अनुसंधान को मातृभाषा में सरल रूप से हितग्राहियों तक पहुँचाने का आह्वान किया।

केन्द्र की हिन्दी अधिकारी डा० अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने मातृभाषा हिन्दी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिन्दी को लिखित तथा मौखिक हर रूप में सरकारी / गैर-सरकारी आदि संस्थानों या निकायों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने का आह्वान किया साथ ही उन्होंने हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत होने वाले क्रिया कलापों से अवगत कराया।

उदघाटन कार्यक्रम का सुचारू संचालन हरीश कुमार ने किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र मेंवरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० कुमुद दूबे व आलोक यादव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा० एस० डी० शुक्ला एवं अन्य सहकर्मी आदि उपस्थित रहे।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला से हिन्दी पखवाड़े का आरम्भ

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2022 से 28.09.2022) का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 दिनेशमणि, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह के साथ केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। इस अवसर पर वार्षिक राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में हिन्दी के महत्त्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डा0 दिनेशमणि ने अपने व्याख्यान में बताया कि देश कि बड़ी जनसंख्या को अंग्रेजी नहीं जानने के कारण विज्ञान के अनुसंधान से वंचित रखना अनुचित है। हिन्दी वैज्ञानिक लेखन के लिए सर्वथा वैज्ञानिक भाषा है।

केन्द्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद व्यक्त किया साथ ही सभा को सम्बोधित करते हुए शोधार्थियों से कहा कि शोध कार्यों को सरल बनाने के लिए हिन्दी में

संवाद स्थापित करें साथ ही उन्होने वैज्ञानिकों और शोधार्थियों से अपने अनुसंधान को मातृभाषा में सरल रूप से हितग्राहियों तक पहुँचाने का आह्वान किया।

केन्द्र की हिन्दी अधिकारी डा0 अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने मातृभाषा हिन्दी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिन्दी को लिखित तथा मौखिक हर रूप में सरकारी / गैर-सरकारी आदि संस्थानों या निकायों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने का आह्वान किया साथ ही उन्होंने हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत होने वाले क्रिया कलापों से अवगत कराया। उदघाटन कार्यक्रम का सुचारू संचालन हरीश कुमार ने किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र मेंवरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दूबे व आलोक यादव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला एवं अन्य सहकर्मी आदि उपस्थित रहे।

अंग्रेजी की जानकारी नही होने पर हिंदी बेहतर

पारि-पुनस्थापन वन अनुसंधान केन्द में पखवाड़े का उदघाटन मुख्य अतिथि इलाहाबाद विवि के प्रो. दिनेशमणि ने किया. इस अवसर पर वार्षिक राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में हिन्दी के महत्व पर व्याख्यान हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि ने कहा कि देश कि बड़ी जनसंख्या को अंग्रेजी नहीं जानने के कारण विज्ञान के अनुसंधान से वंचित रखना अनुचित है. कार्यक्रम संचालन हरीश कुमार ने किया. मौके पर वैज्ञानिक कुमुद दूबे व आलोक यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे.

समाचार पत्रों से

हिंदी सर्वथा वैज्ञानिक भाषा : डॉ. दिनेशमणि

प्रयागराज, संवाददाता। पारि-पुर्नस्थापन वन अनुसंधान केंद्र में हिंदी दिवस पर हुए कार्यक्रम का शुभारंभ इलाहाबाद विश्वविद्यालय रसायन विभाग के प्रोफेसर डॉ. दिनेशमणि और केन्द्र प्रमुख संजय सिंह ने दीप जलाकर किया।

बतौर मुख्य अतिथि डॉ. दिनेशमणि ने कहा कि हिंदी सर्वथा वैज्ञानिक भाषा है। शोध कार्यों को सरल बनानें के लिए हिंदी में संवाद स्थापित करें। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वैज्ञानिकों और शोधार्थियों से अपने अनुसंधान को मातृभाषा में सरल रूप से हितग्राहियों तक पहुंचाने की बात कही। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने हिंदी को हर तरह से बढ़ावा देने की बात कही और हिंदी पखवाड़ा मनाने को लेकर जानकारी दी। इस मौके पर डा कुमुद दुबे, आलोक यादव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ल समेत कई सहकर्मी मौजूद रहे। संचालन हरीश कुमार ने किया।

एनसीआर मुख्यालय में महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने हिंदी दिवस के मौके पर रेल संगम पत्रिका का विमोचन किया।

दबे पैरों से उजाला आ रहा है..

प्रयागराज। इविवि में साहित्य भंडार की ओर से चल पुस्तक प्रदर्शनी में बुधवार को कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्रो. राजेन्द्र कुमार ने किया। इस अवसर पर गीतकार यश मालवीय ने कहा आप ने जो भी किया अच्छा किया, आज मिली है पहली पेंशन बैठे-बैठे। तुलसीदास, 'यह कैसा कर्तव्य पथ, दबे पैरों से उजाला आ रहा है और समय की मार सह लेना नहीं रुकना मेरे साथी की प्रस्तुति की। वरिष्ठ कवि हरिश्चंद्र पांडेय, डॉ. लक्ष्मण प्रसाद गुप्त ने काव्य पाठ किया।संचालन डॉ. अमरजीत राम ने किया।

हिंदी दिवस पर रेल संगम का विमोचन

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़े की शुरुआत हुई। इस दौरान जीएम प्रमोद कुमार ने रेल संगम पत्रिका का विमोचन किया।

जीएम ने कहा कि हिंदी ने सदियों से देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। जीएम ने कहा कि उत्तर मध्य रेलवे का पूरा कार्यक्षेत्र हिंदी भाषी क्षेत्र में है। इसके पूर्व बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी शशिकांत सिंह ने 14 सितंबर से 29 सितंबर तक आयोजित कार्यक्रम की जानकारी दी। जीएम ने उन्हें रेल मंत्रालय की ओर से रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किए जाने के लिए बधाई भी दी। अपर महाप्रबंधक रंजन यादव, चंद्र

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला से हिन्दी पखवाड़े का हुआ शुभारम्भ

प्रयागराज। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की ओर से हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ बुधवार को राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला से हुई। कर्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा० दिनेशमणिए प्रोफेसरए रसायन विज्ञानए इलाहाबाद विश्वविद्यालयए प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह के साथ केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर वार्षिक राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में हिन्दी के महत्त्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डा० दिनेशमणि ने अपने व्याख्यान में बताया कि देश कि बड़ी जनसंख्या को अंग्रेजी नहीं जानने के कारण विज्ञान के अनुसंधान से वंचित रखना अनुचित है। हिन्दी वैज्ञानिक लेखन के लिए सर्वथा वैज्ञानिक भाषा है। केन्द्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद व्यक्त किया साथ ही सभा को सम्बोधित करते हुए शोधार्थियों से कहा कि शोध कार्यों को सरल बनाने के लिए हिन्दी में संवाद स्थापित करें साथ ही उन्होने वैज्ञानिकों और शोधार्थियों से अपने अनुसंधान को मातृभाषा में सरल रूप से हितग्राहियों तक पहुँचाने का आह्वान किया।उदघाटन कार्यक्रम का संचालन हरीश कुमार ने किया।